समाज और संत के बीच लोक कल्याण हेतु सेतु बननेवाला महापुण्य का भागी होता है ।
संत श्री आशारामजी आश्रम द्वारा प्रकाशित
मूल्य : ₹ ४.५०

लोक कल्याण सेतु

रजि. समाचार पत्र
● प्रकाशन दिनांक : १५ मई २०२५ ● वर्ष : २८ ● अंक : ११ (निरंतर अंक : ३३५) ● भाषा : हिन्दी ● पृष्ठ संख्या : २० (आवरण पृष्ठ सहित)

गुरुपूर्णिमा विशेष

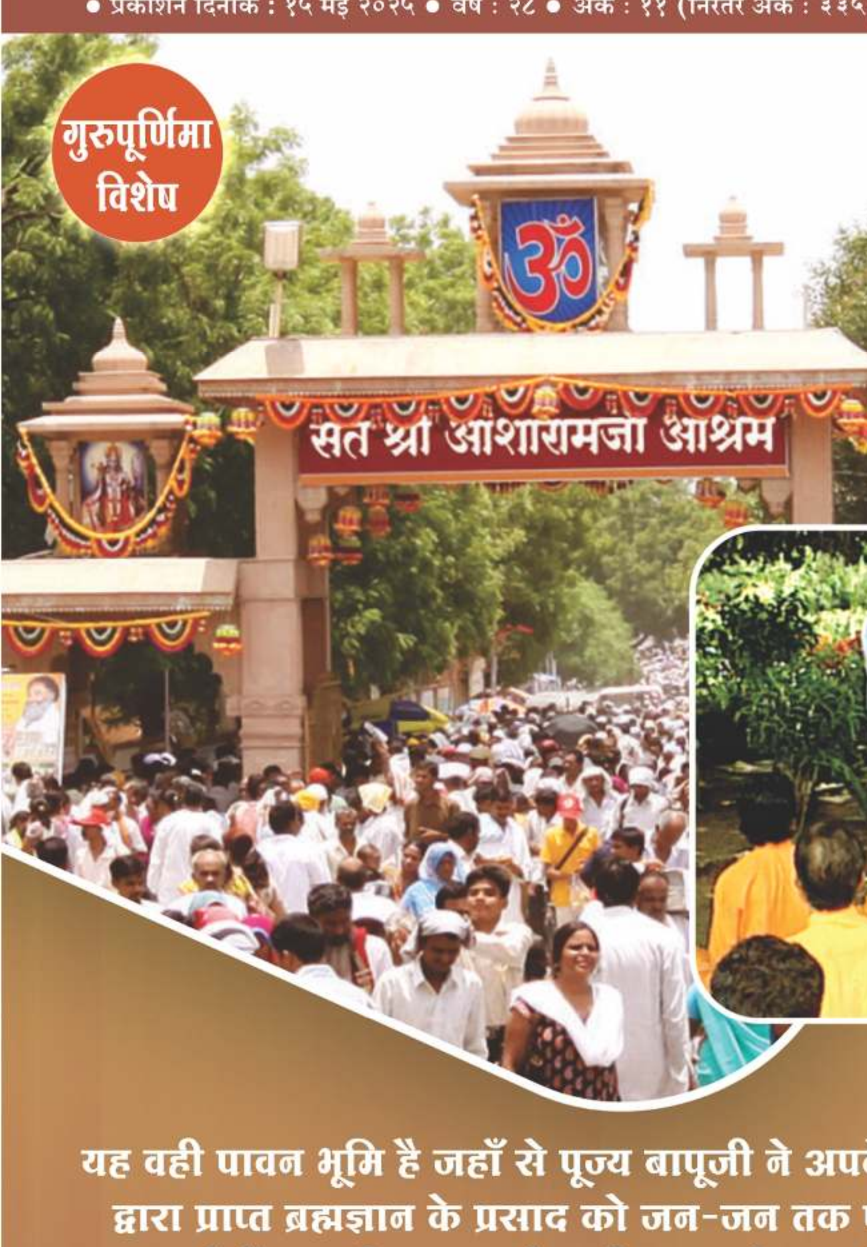

पूज्य बापूजी के सद्गुरु
साँईं श्री लीलाशाहजी महाराज

यह वही पावन भूमि है जहाँ से पूज्य बापूजी ने अपने सद्गुरुदेव साँईं श्री लीलाशाहजी द्वारा प्राप्त ब्रह्मज्ञान के प्रसाद को जन-जन तक पहुँचाने की शुरुआत की थी। यह धरा करोड़ों का जीवन बदलनेवाली, समाजोत्थान के अनेक सत्कार्यों की जननी तथा सनातन संस्कृति की महानता की सुवास विश्वभर में फैलानेवाली केन्द्रस्थली है ।

सनातन धर्म के लिए बापूजी अविस्मरणीय हैं। साधक, अन्य लोग और हम सब संत-समाज बापूजी के ऋणी रहेंगे।

- महामंडलेश्वर स्वामी श्री वेदानंद गिरि, निरंजनी अखाड़ा, वृंदावन

यहाँ से सभीकी श्रद्धा-आस्था जुड़ी हुई है, बहुत-से सेवाकार्य होते हैं, यह आस्था-स्थल नष्ट न हो।

- श्री मयूर कदम, दक्षिण गुजरात प्रांत संयोजक, बजरंग दल

आश्रम सुरक्षित रहे उसके लिए सरकार द्वारा ओलम्पिक की व्यवस्था कहीं और की जाय, यह विहिप की माँग है।

- श्री अजीत सोलंकी, सामाजिक समरसता प्रमुख, दक्षिण गुज. प्रांत, विहिप

जिन्हें ऐसे सद्गुरु मिले हैं वे बड़भागी हैं !

- पूज्य बापूजी

सद्गुरु-सत्‌शिष्य के अमर संबंध का रसास्वादन वही कर सकता है जिसके हृदय में सद्गुरु-प्रेम बसा है, गुरुभक्ति ने घर किया है। चन्द्र के दर्शन का सुख तो चकोर ही जानता है, ऐसे ही सद्गुरुदेव के दर्शन, पूजन, अर्चन का महत्त्व क्या है - इस रहस्य को एक सच्चा सद्गुरु-भक्त ही जानता है।

गुरुपूजन करते समय रोम-रोम पुलकित हो जाय, हृदय गद्‌गद हो जाय, नेत्रों से प्रेम के आँसू छलकने लगें, मन संकल्प-विकल्प छोड़कर गुरुमूर्ति का ध्यान करे, वाणी स्तब्ध हो जाय, 'धन्य गुरु ! जय गुरु !' के भाव उमड़ पड़ें एवं अहंभाव की दक्षिणा गुरुचरणों में अर्पित हो जाय, तब वह जिज्ञासु, वह सत्‌शिष्य कृतकृत्य हो जाता है।

सद्गुरु पूर्ण होते हैं इसीलिए उनकी पूर्णिमा मनायी जाती है। वे अंतःकरण के अंधकार को दूर करते हैं तथा आत्मज्ञान की युक्तियाँ बताते हैं। दीक्षा के दिन से सद्गुरु शिष्य के अंतःकरण में निवास करते हैं। वे एक ऐसी जगमगाती ज्योति हैं जो शिष्य की बुझी हुई हृदय-ज्योति को प्रज्वलित करती है, शिष्य के भवरोग को दूर करती है। वे एक ऐसे माली हैं जो जीवनरूपी बगिया को हरा-भरा एवं महकता हुआ कर देते हैं। वे अभेद का रहस्य बताकर भेद में अभेद के दर्शन करने की युक्ति सिखाते हैं।

शिष्य की योग्यता (विवेक, वैराग्य, षट्सम्पत्ति, मोक्ष की इच्छा) और सद्गुरु की कृपा का सम्मिलन ही मोक्ष का द्वार है। सद्गुरु पूर्णिमा के चन्द्र की नाईं शीतल एवं अंधकारमय रात्रि में प्रकाश करनेवाले हैं। इसीलिए भी उनकी पूजा पूर्णिमा के दिन विशेष रूप से की जाती है। इस दुःखालय संसार में एकमात्र गुरुकृपा ही ऐसा अमूल्य खजाना है जो मनुष्य को आवागमन के विकट कालचक्र से मुक्ति दिलाता है। जिसे गुरुकृपा मिल गयी है और जो उसे पूर्णरूपेण पचा सका है वह धन्य है !

जिनके जीवन में सद्गुरु का प्रकाश हुआ है वास्तव में उन्हींका जीवन जीवन है, बाकी सब तो मर ही रहे हैं, मरनेवाले शरीर को जीवन मानकर मौत की तरफ घसीटे जा रहे हैं। धनभागी तो वे हैं जिनको जीते-जी जीवन्मुक्त सद्गुरु मिल गये ! जिनको जीवन्मुक्त सद्गुरु का सान्निध्य मिल गया, आत्मारामी संतों का संग मिल गया वे बड़भागी हैं !

रजि. समाचार पत्र

लोक कल्याण सेतु

(हिन्दी, गुजराती, मराठी व ओड़िया भाषाओं में प्रकाशित)

वर्ष : २८   अंक : ११

निरंतर अंक : ३३५   आवधिकता : मासिक

प्रकाशन दिनांक : १५ मई २०२५   मूल्य : ₹ ४.५०

पृष्ठ संख्या : २६ (आवरण पृष्ठ सहित)   भाषा : हिन्दी

सम्पर्क पता :

'लोक कल्याण सेतु' कार्यालय, संत श्री आशारामजी आश्रम, संत श्री आशारामजी बापू आश्रम मार्ग, साबरमती, अहमदाबाद-५ (गुज.)

फोन : (०७९) ६१२१०७३९

सदस्यता शुल्क :

भारत में :		विदेशों में :	
(१) वार्षिक :	₹ ४५	(१) पंचवार्षिक :	US $ ५०
(२) द्विवार्षिक :	₹ ८०	(२) आजीवन :	US $ १२५
(३) पंचवार्षिक :	₹ १९५		
(४) आजीवन :	₹ ४७५		

✲ विभिन्न चैनलों पर पूज्य बापूजी का सत्संग ✲

अनादि	DIGIANA DIVYAJYOTI	Asharamji Bapu	Asharamji Ashram	Mangalmay Digital
रोज सुबह ६:२० व रात्रि ११ बजे	रोज रात्रि १० बजे	यूट्यूब चैनल्स		

✲ 'अनादि' चैनल टाटा प्ले (चैनल नं. ११६१), एयरटेल (चैनल नं. ३७९) व म.प्र., छ.ग., उ.खं. के विभिन्न केबलों पर उपलब्ध है। ✲ 'डिजियाना दिव्य ज्योति' चैनल मध्य प्रदेश में 'डिजियाना' केबल (चैनल नं. १०९) पर उपलब्ध है।

लोक कल्याण सेतु ई-मैगजीन के रूप में भी पढ सकते है । ई-मैगजीन अथवा हार्ड कॉपी के सदस्य बनने के लिए क्लीक करो...

www.lokkalyansetu.org

लोक कल्याण सेतु रुद्राक्ष मनका योजना :

पूज्य बापूजी के करकमलों से स्पर्शित रुद्राक्ष मनका या जप-माला प्राप्त करने का स्वर्णिम अवसर !...सभी साधक एवं सेवाधारी 'लोक कल्याण सेतु' की इस योजना का लाभ ले सकते हैं।

इस अंक में...

- हृदय में परमात्मा को प्रकटाने की व्यवस्था करानेवाला पर्व...

कवर स्टोरी गुरुपूर्णिमा यह व्यासपूर्णिमा, भगवत्पूर्णिमा, लघु से गुरु बनानेवाली पूर्णिमा, तनाव और चिंताओं से मुक्त करके मुक्त माधुर्य प्रकटानेवाली पूर्णिमा, मनुष्य को अपनी महानता की खबर देनेवाली पूर्णिमा है... ४

- सोचें कि 'मैं किस श्रेणी का शिष्य हूँ ?'........................६
- इन निर्दोष संत की हो ससम्मान रिहाई – तुलसी गोपीजी.......७
- आश्रमों-मंदिरों को बचाने हेतु हिन्दुत्ववादी संगठनों ने......... ८
- इस ऐतिहासिक आस्था-स्थल की सुरक्षा होनी चाहिए..........९
- पुनर्जन्म का परीक्षण करना विज्ञान की पहुँच से परे है......... १०
- उन्होंने जनमानस में वह ज्योत जगायी है जिसके लिए........१२
- सनातन धर्म के लिए बापूजी अविस्मरणीय हैं.................. १२
- गुरुनिष्ठा व आज्ञापालन का अनूठा उदाहरण................. १३
- सुर्खियों में.. १४
- गर्त में फँसा था जीवन, गुरुकृपा से सँवर गया..................१५
- हे नटवर श्याम मुरारी... – संत पथिकजी.....................१५
- शांति, सामर्थ्य और आत्मसाक्षात्कार की कुंजी................१६
- इन बर्तनों का उपयोग करना माने स्वास्थ्य की कब्र खोदना !..................................१८
- गुरुदेव मोहि निस्तारयो है – संत सुंदरदासजी................१९
- स्वास्थ्य-लाभ हेतु वर्षा ऋतु में विशेष करणीय प्रयोग.........२०
- आनेवालीं पुण्यदायी तिथियाँ व योग........................... २३
- श्री रामानुजाचार्य ने ऐसे पाया परम रहस्य.....................२४

स्वामी : संत श्री आशारामजी आश्रम । **प्रकाशक :** राकेशसिंह आर. चंदेल । **मुद्रक :** विवेक सिंह चौहान । **प्रकाशन-स्थल :** संत श्री आशारामजी आश्रम, मोटेरा, संत श्री आशारामजी बापू आश्रम मार्ग, साबरमती, अहमदाबाद- ३८०००५ (गुजरात) । **मुद्रण-स्थल :** हरि ॐ मैन्युफेक्चरर्स, कुंजा मतरालियों, पौंटा साहिब, सिरमौर, (हि.प्र.) - १७३०२५ । **सम्पादक :** रणवीर सिंह चौधरी

Email: lokkalyansetu@ashram.org, ashramindia@ashram.org Website: www.lokkalyansetu.org, www.ashram.org

हृदय में परमात्मा को प्रकटाने की व्यवस्था करानेवाला पर्व : गुरुपूर्णिमा

गुरुपूर्णिमा यह व्यासपूर्णिमा, भगवत्पूर्णिमा, लघु से गुरु बनानेवाली पूर्णिमा, तनाव और चिंताओं से मुक्त करके मुक्त माधुर्य प्रकटानेवाली पूर्णिमा, मनुष्य को अपनी महानता की खबर देनेवाली पूर्णिमा है । पेट भरना और बाल-बच्चे पैदा करना तो पशु-पक्षी, जीव-जंतु सभी जानते हैं परंतु अपने हृदय में परमात्मा को प्रकट करानेवाली व्यवस्था जिस पर्व के माध्यम से होती है उसका नाम गुरुपूर्णिमा है । इस पूर्णिमा की आप सबको बधाई हो !

आश्रमों-मंदिरों को बचाने हेतु

हिन्दुत्ववादी संगठनों ने दिया धरना

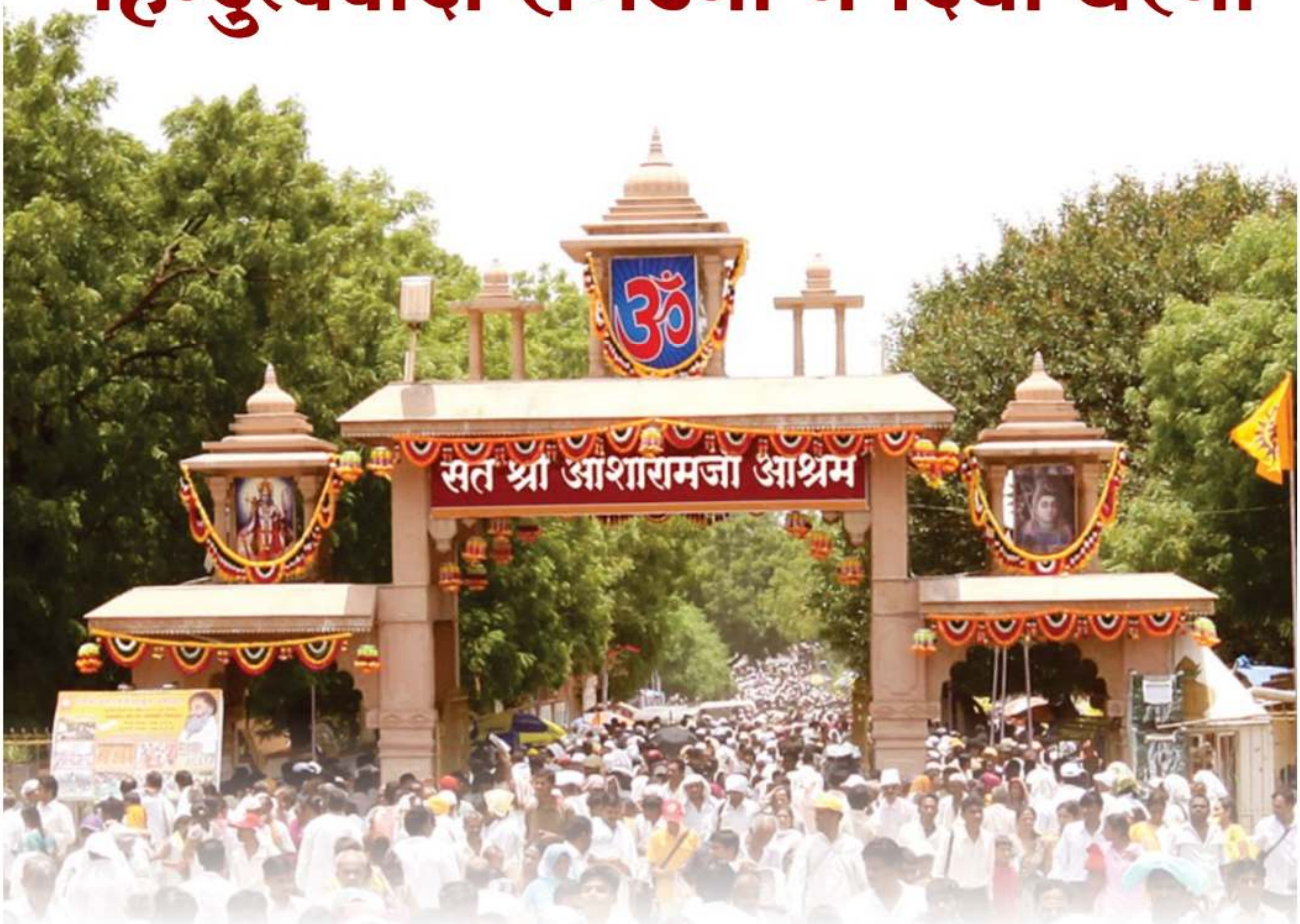

ओलम्पिक की तैयारी के तहत अहमदाबाद में खेल-मैदान बनाये जाने की योजना है, जिसके लिए वहाँ के आश्रमों, मंदिरों को तोड़ना प्रस्तावित है। इन आस्था-स्थलों से देश-विदेश के करोड़ों लोगों की आस्था जुड़ी हुई है अतः इन्हें सुरक्षित रखने की माँग जगह-जगह से उठ रही है।

२८ अप्रैल को अखिल भारत हिन्दू महासभा, धर्मरक्षक श्री दारा सेना, सनातन धर्मरक्षा संघ आदि हिन्दू संगठनों द्वारा दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना आयोजित किया गया। उपस्थितों ने सरकार के सामने अपनी माँग रखी। **धर्मरक्षक श्री दारा सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मुकेश जैन** ने कहा कि हम तो सरकार के लिए हमेशा आगे रहे हैं किंतु आप जाबल्य ऋषि की तपोभूमि को उजाड़ेंगे, आशारामजी बापू के उस आश्रम को ध्वस्त करोगे जो उनका मुख्य केन्द्र है तो यह उचित नहीं होगा।

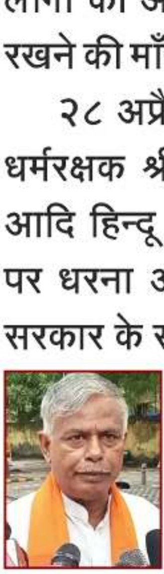

आशारामजी बापू का जो आश्रम है उस पर हमारा उतना ही विश्वास है जितना काशी विश्वनाथ पर विश्वास है, जैनियों का कैलाश पर्वत में विश्वास है, मुसलमानों का मक्का-मदीना में है, ईसाइयों का यरूशलेम में है, तो इस स्थान को टूटने न दिया जाय।

मीडिया के माध्यम से सरकार तक हम शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात पहुँचा रहे हैं और हमें पूरा विश्वास है कि हमारे प्रधानमंत्री और खेलमंत्री इस बात को स्वीकार करेंगे।

(संकलक : धर्मेन्द्र गुप्ता)

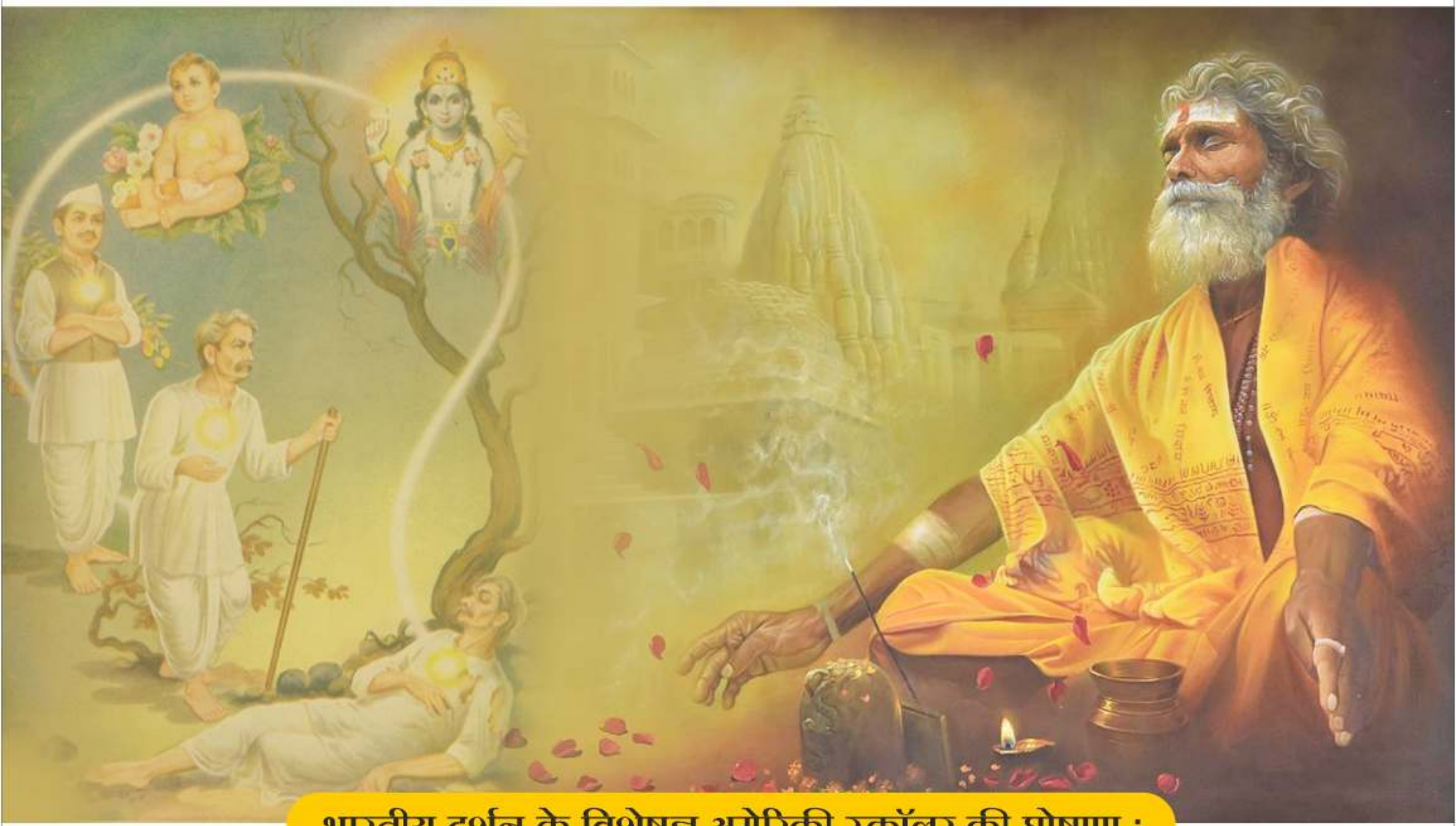

भारतीय दर्शन के विशेषज्ञ अमेरिकी स्कॉलर की घोषणा :

पुनर्जन्म का परीक्षण करना

विज्ञान की पहुँच से परे है

अमेरिका के एलिजाबेथटाउन कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. जेफरी डी. लॉन्ग, जिनकी प्रमुख विशेषज्ञता भारतीय दर्शन और परम्पराओं के क्षेत्र में है, कहते हैं : ''कुछ लोग तर्क कर सकते हैं कि पुनर्जन्म का परीक्षण न हो पाना ही उसे अस्वीकार करने का पर्याप्त आधार है किंतु मृत्यु के क्षण चेतना के प्रस्थान को और उसी चेतना-प्रवाह की निरंतरता को किसी अन्य नवजात अथवा गर्भस्थ प्राणी में किस परीक्षण द्वारा मापा जा सकता है ?

सनातन धर्म का पुनर्जन्म का सिद्धांत पूर्णतः वैज्ञानिक है । विज्ञान के साधनों की सीमा स्थूल जगत तक है जबकि पुनर्जन्म की प्रक्रिया सूक्ष्म जगत में होती है । यही कारण है कि विज्ञानियों ने पुनर्जन्म की अवैज्ञानिकता का ढिंढोरा पीटा लेकिन आज उन्हींके जगत के लोग पूर्व में वैज्ञानिकों द्वारा बनायी अवधारणा को गलत सिद्ध कर रहे हैं।

वर्जीनिया विश्वविद्यालय के प्रोफेसर इयान स्टीवेंसन द्वारा ३००० से अधिक ऐसे प्रमाणभूत मामले संकलित किये गये जिनमें बच्चों को अपने पिछले जन्मों की स्मृति थी।

इन बर्तनों का उपयोग करना माने

स्वास्थ्य की कब्र खोदना !

इन बर्तनों में भोजन बनाते समय कुछ ऐसे खतरनाक रासायनिक पदार्थ बनते हैं जिनसे पेट का अल्सर, लकवा (paralysis) तथा बुढ़ापे में स्मृतिलोप (senile dementia) नामक दिमागी बीमारी होने की सम्भावना रहती है। सेनाइल डिमेंशिया में स्मरणशक्ति तो घटती ही है, साथ ही सोचने, समझने व निर्णय लेने की शक्ति भी लुप्त हो जाती है।

विभिन्न वैज्ञानिक शोधों के अनुसार एल्यूमिनियम के बर्तन स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक हैं। इन बर्तनों में पकाये गये पौष्टिक खाद्य पदार्थ भी अपने गुण खो बैठते हैं। एल्यूमिनियम धातु वायुमंडल से रासायनिक क्रिया करके एल्यूमिनियम ऑक्साइड बनाती है। जब एल्यूमिनियम के बर्तन में कोई अम्लीय (खट्टे) पदार्थ गरम करते हैं या लम्बे समय तक रखते हैं तो बर्तन पर चढ़ी एल्यूमिनियम ऑक्साइड की पर्त खाद्य पदार्थ में घुल जाती है। इससे पाचन-तंत्र, दिमाग और हृदय पर दुष्प्रभाव पड़ता है। इन बर्तनों में उबाला हुआ पानी भी मस्तिष्क पर बुरा

स्वास्थ्य-लाभ हेतु वर्षा ऋतु में विशेष करणीय प्रयोग

जठराग्निवर्धक प्रयोग

(१) वर्षा ऋतु में जठराग्नि मंद रहती है इसलिए उपवास तथा लघु भोजन हितकर है।

(२) हरड़ चूर्ण* तथा सोंठ चूर्ण का समभाग मिश्रण बना लें। ३-४ ग्राम मिश्रण ५ ग्राम गुड़ अथवा चुटकीभर सेंधा नमक के साथ सुबह खाली पेट गुनगुने पानी के साथ लेने से जठराग्नि प्रदीप्त होती है।

(३) सोंठ, जीरा तथा सौंफ के चूर्ण का समभाग मिश्रण बना लें। आधा चम्मच मिश्रण भोजन से एक घंटा पूर्व लेने से जठराग्नि की रक्षा होती है।

(४) खुलकर भूख लगाने के लिए भोजन से पूर्व अदरक के साथ नींबू का रस तथा सेंधा नमक मिला के लेना भी हितकर है।

स्वास्थ्यवर्धक अन्य प्रयोग

(१) वर्षा ऋतुजन्य व्याधियों से रक्षा व रोगप्रतिकारक शक्ति बढ़ाने हेतु गोझरण का सेवन सर्वोपरि है। सूर्योदय से पूर्व ४० से ५० मि.ली.

बालों के उत्तम लाभ हेतु

केश सुरक्षा आयुर्वेदिक शैम्पू

घृतकुमारी (Aloe vera) शैम्पू

बालों का झड़ना, असमय सफेद होना, गंजापन, रूसी आदि समस्याओं में लाभकारी । ✲ बालों को मुलायम, काले, मजबूत, लम्बे, घने तथा चमकदार बनाने में सहायक । ✲ घुँघराले बालों की लोच को कम करने में असरकारक ।

प्राकृतिक जड़ी-बूटियों व उत्तम गुणवत्ता से युक्त, प्राणिजन्य चरबीरहित

हर्बल साबुनों की शृंखला

लाभ : ✲ रोमकूप खोलें, त्वचा में लायें निखार । ✲ रोगाणुनाशक एवं चर्मरोगों जैसे - चेहरे के कील-मुँहासे, दाग-धब्बों आदि को मिटाने में लाभदायी ।

गोमय, पंचगव्य, चंदन, मुलतानी नीम तुलसी, चमेली, संतरा, गुलाब, सेवा, घृतकुमारी, मुलतानी

Net weight 100g

गर्मी से राहत दिलानेवाले

शीतलता-प्रदायक, स्वादिष्ट गुणकारी पेय

लीची पेय : लीची करती है कमजोरी को दूर, शरीर को बनाती है पुष्ट तथा पाचनक्रिया को करती है मजबूत । **सेब पेय :** सेब है उत्तम स्वास्थ्यवर्धक, पोषण और स्वाद से भरपूर । **अनन्नास पेय :** अनन्नास है रोगप्रतिरोधक क्षमता, पाचनशक्ति तथा नेत्रज्योति वर्धक । **मैंगो ओज :** आम है सप्तधातुवर्धक व उत्तम हृदयपोषक

२७० मि.ली. एवं ५०० मि.ली. में भी उपलब्ध

स्वास्थ्यवर्धक शरबत

हर घूँट में मधुरता व शक्ति का एहसास

गुलाब शरबत : सुमधुर, जायकेदार, शारीरिक व मानसिक थकावट को मिटानेवाला । **पलाश शरबत :** जलन, प्यास आदि में लाभदायक, गर्मी सहने की शक्ति बढ़ानेवाला । **ब्राह्मी शरबत :** स्मरणशक्तिवर्धक, दिमाग को शांत व ठंडा रखने में सहायक

wt. = Net weight

उपरोक्त सामग्री संत श्री आशारामजी आश्रमों में सत्साहित्य सेवा केन्द्रों से तथा समितियों से प्राप्त हो सकती है । अन्य उत्पादों व उनके लाभ आदि की विस्तृत जानकारी के लिए एवं घर बैठे रजिस्टर्ड पोस्ट द्वारा सामग्री-प्राप्ति हेतु गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करें : "Ashram eStore" App या विजिट करें : www.ashramestore.com या सम्पर्क करें : ९४२८८५७८२०. ई-मेल : contact@ashramestore.com

समाजोत्थान की अनेक सत्प्रवृत्तियों और करोड़ों की आस्था के केन्द्र अहमदाबाद आश्रम के अधिग्रहण को रोकने के लिए सुज्ञजनों द्वारा सौंपे जा रहे हैं ज्ञापन

RNI No. 66693/97
RNP No. GAMC-1253-A/2024-2026
Issued by SSPO's-Ahmedabad City Dn.
Valid up-to 31-12-2026
WPP No. 02/24-26
(Issued by CPMG UK. valid up-to 31-12-2026)
Posting at Dehradun G.P.O. between 18th to 25th of every month.
Publishing on 15th of every month

श्री संतोष कुमार गंगवार, राज्यपाल, झारखंड

श्री अशोक भाई रावल, क्षेत्रमंत्री, विहिप, गुज.

श्री शैलेश भाई पटेल, गुजरात प्रांत कार्यवाह, रा.स्व.संघ

श्री शेषराव यादवजी, भाजपा जिला अध्यक्ष, छिंदवाड़ा (म.प्र.)

श्री अरुण साव, उपमुख्यमंत्री (छ.ग.)

सातारा (महा.)

सम्भाजीनगर (महा.)

दाहोद (गुज.)

बेंगलुरु

हुबली (कर्नाटक)

श्रीगंगानगर (राज.)

बीदर (कर्नाटक)

धनबाद (झारखंड)

धमतरी (छ.ग.)

राजकोट

बैतूल (म.प्र.)

बेमेतरा (छ.ग.)

बेलगावी (कर्नाटक)

कवर्धा (छ.ग.)

अम्बाला (हरि.)

अमरावती (महा.)

उदयपुर (राज.)

गोंदिया (महा.)

धरना प्रदर्शन

अहमदाबाद

रायपुर (छ.ग.)

दुर्ग (छ.ग.)

पानीपत

स्थानाभाव के कारण सभी तस्वीरें नहीं दे पा रहे हैं। अन्य अनेक तस्वीरों हेतु वेबसाइट www.ashram.org/seva देखें। आश्रम, समितियाँ एवं साधक-परिवार अपने सेवाकार्यों की तस्वीरें sewa@ashram.org पर ई-मेल करें।

आश्रम के मासिक प्रकाशन की सदस्यता हेतु स्कैन करें : लोक कल्याण सेतु | ऋषि प्रसाद | ऋषि दर्शन

स्वामी : संत श्री आशारामजी आश्रम **प्रकाशक :** राकेशसिंह आर. चंदेल **मुद्रक :** विवेक सिंह चौहान **प्रकाशन-स्थल :** संत श्री आशारामजी आश्रम, मोटेरा, संत श्री आशारामजी बापू आश्रम मार्ग, साबरमती, अहमदाबाद-३८०००५ (गुजरात) **मुद्रण-स्थल :** हरि ॐ मैन्युफेक्चरर्स, कुंजा मतरालियों, पौंटा साहिब, सिरमौर (हि.प्र.)-१७३०२५ **सम्पादक :** रणवीर सिंह चौधरी